जलनाथेश्वर मंदरि

[स्रोत: द हिंदू](#)

तमलिनाडु के **रानीपेट ज़लि** के **थक्कोलम** में पल्लवों द्वारा नरि्मति छठी शताब्दी का **जलनाथेश्वर मंदरि** जीर्ण अवस्था में है।

- क्षतग्रिस्त दीवारें और ऊँचे टैंक वाला यह मंदरि उपेक्षति है। इसका अंतमि ***???????????*** **(प्रतष्ठिा)** 15 वर्ष पूरव हुआ था।

जलनाथेश्वर मंदरि:

- **मंदरि मूल रूप से 876 ईस्वी** में **पल्लव राजा अपराजति वर्मन** द्वारा बनाया गया था, जबक‍ि **त्रि-स्तरीय राजगोपुरम** को **1543 ईस्वी** में **वजियनगर राजा वीर प्रथबा सदाशवि महारयार** द्वारा जोड़ा गया था।
- यह **कोसस्थलाई नदी** के तट पर स्थति है। इसमें **पल्लव राजा अपराजति** और **चोल राजा आदति्य प्रथम के शलािलेख** और **अभलिेख** हैं, जनिमें **भूम‍ि, स्वर्ण और बकरयिों के अनुदान** का ववरिण है।
- यह मंदरि **[द्रवड़ि शैली की वास्तुकला](#)** को दर्शाता है, जो **[तंजावुर के बृहदेश्वर मंदरि](#)** और **[मदुरै के मीनाक्षी मंदरि](#)** के समान है।
- 1.5 एकड़ के मंदरि में **त्रि-स्तरीय गोपुरम,** ग्रेनाइट की दीवारें और भगवान शवि (**भगवान जलंथेश्वर** के रूप में) का **रेत आधारति पृथ्वी लगिम (थडिा थरि्मनी)** है।
- यह मंदरि **275** ***????? ??????? ????????*** ***(275 Paadal Petra Sthalams)*** में से एक है, जसि **तमलि शैव नयनार संबंदर** के ***??????*** **भजनों** में महमिामंडति कयिा गया है।
  - **संबंदर** तमलिनाडु के **सातवीं शताब्दी के शैव कव‍ि-संत थे,** जनि्होंने 16,000 भजनों की रचना की, जनिमें से 383 (या 384) तमलि शैव परंपरा में मौजूद हैं।

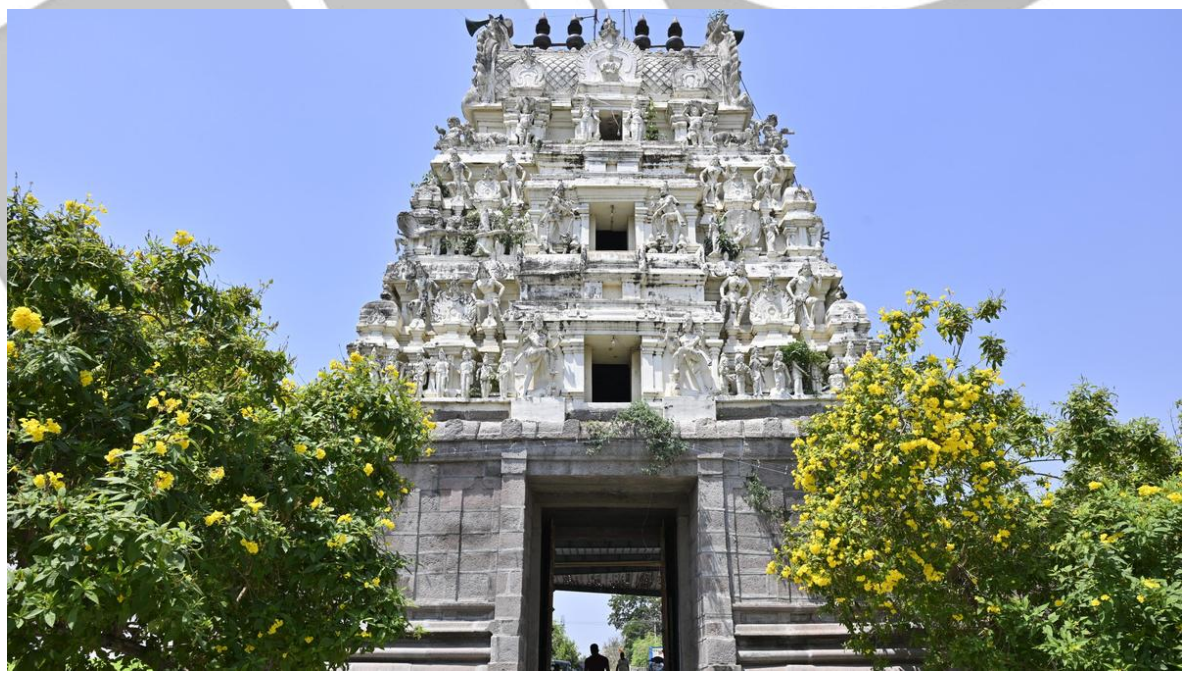

और पढ़ें: [मंदरि वास्तुकला](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/jalanatheswarar-temple